

प्रेषक,

आर०सी० अग्रवाल,  
अपर सचिव, वित्त  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त अधिशासी अधिकारी,  
नगर पंचायत, उत्तराखण्ड,  
(संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून :: दिनांक: ०४ :अगस्त, 2011

विषय:-तृतीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड की संस्तुतियों की प्रत्याशा में समस्त नगर पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2011-12 की द्वितीय किश्त हेतु धनराशि का तदर्थ आधार पर संकरण।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि तृतीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड की संस्तुतियों की प्रत्याशा शासन द्वारा लिये गये निर्णयानुसार समस्त नगर पंचायतों को चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 की द्वितीय किश्त हेतु तदर्थ आधार पर ₹ 47668000.00 ₹ चार करोड़ छिह्न्तर लाख अडसठ हजार मात्र) संक्रमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संक्रमित की जा रही है:-

(1) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग शासनादेश सं०-1674 /XXVII/(1)/2006 दिनांक 22 नवम्बर, 2006 द्वारा निर्गत मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अन्तर्गत किया जायेगा। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यावर्तन / समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(2) नगर विकास विभाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का बाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार, उत्तराखण्ड एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।

(3) निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय, निकायों को आवंटित धनराशि के समय से उपयोग हेतु उत्तरदायी होंगे।

(4) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज

hmtj.

संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन— आयोजनेतर—01—नगरीय स्थानीय निकाय—193—नगरपंचायतें/नोटिफाइड एरिया/कमेटी आदि—03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करों से समनुदेशन—00—20—सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

संलग्नकः—यथोपरि।

भवदीयः

h  
(आर०सी० अग्रवाल)  
अपर सचिव।

संख्या:-468 / (1) / XXVII(1)/2011 तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- 1— प्रमुख सचिव, शहरी विकास, उत्तराखण्ड शासन।
- 2— मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ उत्तराखण्ड।
- 3— समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4— महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 5— निदेशक, शहरी एवं नगरीय विकास, 43/6, माता मन्दिर मार्ग, धर्मपुर, देहरादून।
- 6— निदेशक, कोषागार एवं लेखा हकदारी, 23—लक्ष्मी रोड़, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 7— समस्त मुख्य/वरिष्ठ, कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
- 8— विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकरी जैसी भी स्थिति हो।
- 9— निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
- 10— एन० आई०सी० सचिवालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 11—वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।

आज्ञा से,

h  
(आर०सी० अग्रवाल)  
अपर सचिव।

शासनादेश संख्या: 468 / XXVII (i) / 2011

दिनांक: 08 : अगस्त, 2011 का संलग्नक।

तृतीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों की प्रत्याक्षा में नगर पंचायतों  
को वितीय वर्ष 2011-12 हेतु तदर्थ रूप से द्वितीय किश्त हेतु संकरण।

क्र०सं०	शहरी स्थानीय निकाय का नाम	(धनराशि हजार में)	
		1	2
<b>नगर पंचायत</b>			
1-	बड़कोट		4144
2-	नन्दप्रयाग		564
3-	कर्णप्रयाग		3835
4-	गोचर		3245
5-	मुनिकीरिती		2099
6-	कीर्तिनगर		512
7-	चम्बा		1358
8-	डोईवाला		1199
9-	हरबर्टपुर		2866
10-	कालादूंगी		829
11-	भीमताल		1208
12-	लालकुँआ		1570
13-	दिनेशपुर		2451
14-	सुल्तानपुर		1058
15-	केलाखेड़ा		1719
16-	शक्तिगढ़		1279
17-	मुहुआ खेड़ा गंज		979
18-	महुआडाबरा		1243
19-	द्वाराहाट		2054
20-	डीडीहाट		1182
21-	धारचूला		3386
22-	चम्पावत		1208
23-	लोहाघाट		1402
24-	झबरेड़ा		891
25-	लण्डोरा		1384
26-	लक्सर		2901
27-	देवप्रयाग		1102
योग			47668

(रेखार करोड़ छिह्न्तर लाख अड़सठ हजार मात्र)

  
(आर.सी. अग्रवाल)

अपर सचिव।